राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय समसामयिकी

मई, 2025

संजीव वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड करें
राजस्थान, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिकी (प्रत्येक माह)
साथ ही संजीव वेबसाइट से आप E-Book भी खरीद सकते हैं।
visit us at : www.sanjivprakashan.com

राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय समसामयिकी मई, 2025
(Current News from Daily Newspapers)

Newspaper of 1 May, 2025

■ **हाल ही में लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा नौसेना की पहली महिला क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर बन गई हैं। वे अंडमान और निकोबार कमांड के पोर्ट ब्लेयर स्थित आईएनएस उत्क्रोश पर तैनात हैं और आईएनएस 318 स्क्वॉड्रन की डोर्नियर पायलट हैं।**
उल्लेखनीय है कि डोर्नियर विमान अत्याधुनिक पेट्रोल रडार से लैस होते हैं और लंबी दूरी तक समुद्री निगरानी करने में सक्षम हैं।

■ **केन्द्रीय केबिनेट ने प्रमुख फैसले लिए–**

- आजादी के बाद पहली बार जातीय जनगणना होगी।
- गन्ना किसानों के लिए एफआरपी दर 355 रुपए प्रति क्विंटल की।
- मेघालय के मावलिंगखुंग से असम के पंचग्राम तक नए ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण होगा।

30 अप्रैल, 2025 को केन्द्रीय कैबिनेट ने तीन बड़े निर्णय किए जो निम्न हैं–

(1) **जातीय जनगणना**–आजादी के बाद पहली बार जातीय जनगणना होगी। जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। यदि यह कार्य सितम्बर 2025 में शुरू होता है तो जनगणना और जाति जनगणना के आँकड़े वर्ष 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक मिल सकेंगे। गौरतलब है कि 2011 के बाद देश में जनगणना भी नहीं हो सकी है। 2021 की जनगणना कोविड महामारी (कोरोना) के चलते लगातार टाली गई है।

2011 में सामाजिक-आर्थिक गणना–
वर्ष 2011 में तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के दौरान सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना (एसईसीसी) करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आँकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए।

(2) **गन्ना किसानों के लिए एफआरपी दर 355 रुपए प्रति क्विंटल**–2025-26 चीनी सत्र के लिए गन्ने की एफआरपी दर 355 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है। यह दर 10.25 फीसदी की बेसिक रिकवरी दर पर आधारित है। रिकवरी दर में हर 0.1 फीसदी की बढ़ोतरी पर 3.46 रुपए प्रति क्विंटल का प्रीमियम मिलेगा, जबकि 0.1 फीसदी की कमी पर उतनी ही राशि की कटौती होगी।

(3) **मेघालय के मवलिंगखुंग से असम के पंचग्राम तक नये ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण**–मेघालय के शिलांग के पास मावलिंगखुंग से असम के सिलचर के पास पंचग्राम तक एक नये ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना एनएच-6 के तहत कुल 166.80 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा। इस परियोजना की कुल लागत 22,864 करोड़ रुपए आँकी गई है।

■ **सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत डिजिटल एक्सेस को मौलिक अधिकार करार दिया–**
30 अप्रैल, 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए डिजिटल एक्सेस को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार करार दिया। शीर्ष अदालत ने एसिड अटैक पीड़ितों और दृष्टिबाधित लोगों के लिए 'नो योर कस्टमर' (केवाईसी) प्रक्रिया आसान बनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए, ताकि वे बैंकिंग और ई-गवर्नेंस सेवाओं तक पहुँच सकें।
जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की खंडपीठ ने दो जनहित याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि केन्द्र सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल प्रक्रियाएँ, खासकर केवाईसी जैसी अनिवार्य प्रक्रियाएँ सभी के लिए सुलभ हों। चाहे एसिड अटैक पीड़ित हों या ऐसे लोग, जिनका किसी अन्य वजह से चेहरा बिगड़ चुका हो या दृष्टिहीन व्यक्ति हो। ये अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार), अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 15 (भेदभाव से सुरक्षा) के तहत सुनिश्चित किए गए हैं। डिजिटल एक्सेस का अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग है। पीठ ने कहा, हमने पाया है कि केवाईसी प्रक्रियाओं में बदलाव की जरूरत है, ताकि अक्षम व्यक्तियों, तेजाब हमले के पीड़ितों और दृष्टिबाधितों को इन प्रक्रियाओं को पूरा करने में कोई परेशानी न हो।

ये हैं दिशा-निर्देश–

(1) सरकारी समावेशी डिजिटल इको सिस्टम तैयार करे, जो हाशिए पर पड़े कमजोर व्यक्तियों समेत सभी के लिए सुलभ हो।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

(2) सभी सरकारी पोर्टल, लर्निंग प्लेटफॉर्म, वित्तीय प्रौद्योगिकी सेवाएँ सभी वर्गों के लिए सार्वभौमिक रूप से सुलभ होनी चाहिए।
(3) डिजिटल केवाईसी और ई-केवाईसी प्रक्रियाओं को ज्यादा समावेशी बनाने के लिए तकनीकी और नीतिगत बदलाव किए जाएँ।

उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव : यूजीसी ने विश्वविद्यालय के लिए जारी किए दिशा-निर्देश; साल में 2 बार प्रवेश, 12वीं बाद यूजी के किसी भी कोर्स में डिग्री की छूट–

नामांकन बढ़ाने और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए यूजीसी ने उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव किए हैं। इस संबंध में यूजीसी ने विश्वविद्यालय को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। नए प्रावधानों के तहत अब विश्वविद्यालय साल में दो बार प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। अभी तक यूनिवर्सिटी में जुलाई में प्रवेश होते हैं, लेकिन जो छात्र किसी कारणवश प्रवेश नहीं ले पाए, वे जनवरी में प्रवेश ले सकेंगे। वहीं यूजीसी ने अब 12वीं के बाद किसी भी यूजी कोर्स में प्रवेश की छूट दी है। छात्र ने 12वीं किसी भी विषय में की हो, वह यूजी के किसी भी कोर्स में प्रवेश ले सकता है।

इसके लिए छात्र को यूनिवर्सिटी या फिर कॉमन एंट्रेंस टेस्ट पास करना होगा। इसी प्रकार छात्र ने यूजी किसी भी विषय में किया है तो वह पीजी के किसी भी कोर्स में प्रवेश ले सकता है। इसके लिए छात्र को यूनिवर्सिटी या फिर कॉमन एंट्रेंस टेस्ट पास करना होगा।

बदलाव से छात्रों को ये फायदा–

- अब वर्ष में दो बार (जनवरी और जुलाई) प्रवेश लेने की सुविधा मिलने से छात्रों को समय की पाबंदी से आजादी मिलेगी।
- अनुभव और स्वयं-अधिगम को मान्यता मिलेगी, जिससे गैर-पारंपरिक छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खुलेंगे।
- किसी भी पृष्ठभूमि से छात्र अब किसी भी विषय में दाखिला ले सकते हैं, जिससे कॅरियर के नए विकल्प खुलेंगे।
- दो डिग्री एक साथ करने की अनुमति से बहुविषयक ज्ञान और अवसरों में वृद्धि होगी।
- छात्र कम समय में डिग्री प्राप्त कर सकते हैं और जल्द नौकरी या उद्यमिता शुरू कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए लाभ

- द्विवार्षिक प्रवेश प्रणाली से संस्थान अपनी सीटें भरने के लिए रियायत दे सकेंगे।
- इंटर-डिसिप्लिनरी और डुअल-डिग्री प्रोग्राम्स से नए-नए पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने की आजादी मिलेगी।
- संस्थान प्रोफेशनल और कामकाजी लोगों को डिग्री लेने के लिए आकर्षित कर सकेंगे।
- तेजी से डिग्री पूर्ण कराने से संस्थान अपनी इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता का अधिकतम उपयोग कर पाएँगे और अधिक छात्रों को प्रवेश दे सकेंगे।

वर्क एक्सपीरियंस के जुड़ेंगे क्रेडिट स्कोर : जिन युवाओं को किसी विशेष क्षेत्र में काम का अनुभव है और वह उसी क्षेत्र में डिग्री लेना चाहते हैं तो यूजीसी ने ऐसे छात्रों के लिए भी नए प्रावधान तय किए हैं। ऐसे छात्रों के कार्य अनुभव को क्रेडिट स्कोर में बदला जाएगा। ऐसे छात्र अपनी डिग्री को समय से पहले पूरा कर सकेंगे।

डिग्री समय से पहले पूरी करने में सक्षम तो मिलेगा मौका : यूजीसी ने एक और बड़ा बदलाव किया है। छात्र होशियार है और वह डिग्री को समय से पहले पूरी करने में सक्षम है तो उसे मौका दिया जाएगा। छात्र अपनी चार साल की डिग्री की अवधि को छह महीने से एक साल तक कम कर सकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय को लिखकर देना होगा। विवि. इसका आकलन करेगा।

Newspaper of 2 May, 2025

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई में 'वेव्स 2025 - विश्व ऑडियो-विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन' का उद्घाटन किया–

1 मई, 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई में 'वेव्स 2025 - विश्व ऑडियो-विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने क्रिएटर्स का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि 'ये भारत में सृजन करें' का सही समय है। आज दुनिया कहानी सुनाने के नए तरीके ढूँढ रही है। भारत के पास हजारों वर्षों की अपनी कहानियों का खजाना है। ये खजाना समय से परे है और वास्तव में वैश्विक है। ये भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। उन्होंने कहा कि सामग्री, रचनात्मकता व संस्कृति ऑरेंज इकोनॉमी की तीन धुरी हैं। यह भारत में मौजूद है।

खाने की तरह गाना भी लोकप्रिय होगा

मोदी ने कहा कि भारतीय खाने की तरह भारतीय गाना भी दुनिया में लोकप्रिय होगा। भारतीय फिल्में कोने-कोने में पहुँच रही हैं। 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं। बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक भारतीय कंटेंट को सब-टाइटल के साथ देख रहे हैं।

स्वदेशी डेंगू टीका क्लिनिकल ट्रायल की प्रक्रिया में; जोधपुर एम्स सहित देशभर के 19 शहरों में निःशुल्क लगाया जा रहा–

यह ट्रायल का तीसरा व अंतिम चरण का है, पहला व दूसरा ट्रायल 2018-19 में पूरा हो गया

टीका लगाने वाले लोगों का दो साल तक किया जाएगा फॉलोअप

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

देश में डेंगू का पहला टीका वर्ष 2026 में सामने आ सकता है। एम्स जोधपुर में टीके के तीसरे व अंतिम चरण का क्लिनिकल ट्रायल किया जा रहा है, जो अगले महीने तक पूर्ण हो जाएगा। ट्रायल के अन्तर्गत एम्स में 18 साल से ऊपर के वयस्कों को नि:शुल्क डेंगू टीका लगाया जा रहा है। राजस्थान में केवल जोधपुर एम्स मे ही डेंगू टीके का ट्रायल चल रहा है। एम्स, जोधपुर सहित देश के 18 अन्य शहरों में डेंगू टीके का ट्रायल किया जा रहा है। तीसरे चरण में कुल मिलाकर 10,335 वयस्कों को टीका लगेगा। टीका लगाने वाले लोगों का दो साल तक फॉलोअप किया जाएगा। डेंगू टीके के पहले व दूसरे चरण सफल रहे हैं।

स्वदेशी टीका, प्रक्रिया पर मिला पेटेंट

आइसीएमआर और पैनेसिया बायोटेक ने स्वदेशी डेंगू वैक्सीन डेंगीऑल तैयार की है। वैसे मूल रूप से एक टेट्रावैलेंट डेंगू वैक्सीन एनआइएच यूएसए ने तैयार की थी जिसे भारत की तीन कम्पनियों को हस्तांतरित किया गया। पैनेसिया बायोटेक के परिणाम बेहतर रहे। कम्पनी ने इस स्ट्रेन पर काम करके खुद का एक पूर्ण विकसित वैक्सीन फॉर्मूलेशन विकसित कर लिया। इससे कम्पनी को एक प्रक्रिया पेटेंट भी मिला है। क्लिनिकल ट्रायल को मुख्य रूप से आइसीएमआर और आंशिक रूप से पैनेसिया बायोटेक की ओर से वित्त पोषित किया गया है, जिसमें किसी बाहरी एजेंसी की कोई वित्तीय सहायता नहीं है।

चारों स्ट्रेन हैं डेंगीऑल में

डेंगू वायरस के चार स्ट्रेन होते हैं और अलग-अलग हैं। अगर किसी एक स्ट्रेन से डेंगू हो गया तो वह दूसरे स्ट्रेन के लिए प्रतिरोधी नहीं होता है इसलिए डेंगीऑल टीके में चारों स्ट्रेन का उपयोग किया गया है। डेंगीऑल के अलावा जापान की कम्पनी का क्यूडेंगा टीका भी अगले साल लॉन्च होने की तैयारी में है।

■ क्यूएस वर्ल्ड एक्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग-2025 में टॉप 200 में 6 भारतीय संस्थान रहे; IIM बेंगलुरू को 50वीं रैंक मिली–

2 मई, 2025 को क्यूएस वर्ल्ड एक्जीक्यूटिव एमबीए रैंकिंग-2025 जारी हुई। इसमें सात भारतीय बिजनेस स्कूलों को जगह मिली है। आइआइएम बेंगलुरू को दुनिया के 50 सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूलों में जगह मिली है।

इस सूची में ऑक्सफोर्ड बिजनेस स्कूल (यूके) पहले, एचईसी (फ्रांस) दूसरे, आईएसई बिजनेस स्कूल (स्पेन) तीसरे, एमआईटी (अमेरिका) चौथे व लंदन बिजनेस स्कूल (यूके) पाँचवें स्थान पर है।

भारतीय बिजनेस स्कूलों की रैंकिंग-2025

संस्थान का नाम	रैंक बैंड-2025	रैंक बैंड-2024
आइआइएम, बेंगलुरू	50	41
आइएसबी हैदराबाद व मोहाली	111-120	101-110
आइआइएम, कोझीकोड	161-170	171-180
आइआइएम, इंदौर	181-190	–
भारतीय प्रबंधन संस्थान, गाजियाबाद	181-190	171-180
वॉक्सेन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद	191-200	–
गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट	201	–

■ ब्रिटेन में एनएचएस का विशेष टीकाकरण अभियान 'सुपर जैब' शुरू; अब सिर्फ एक वैक्सीन से होगा 15 तरह के कैंसर का इलाज–

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों में ऐसी वैक्सीन बनाई है, जिससे 15 तरह के कैंसर की रोकथाम में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने कैंसर के खिलाफ 'सुपर जैब' नाम का विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया है। इसमें हर माह करीब 1200 मरीजों को यह वैक्सीन दी जाएगी। इस तरह के अभियान वाला ब्रिटेन पहला यूरोपीय देश है।

द इंडिपेंडेंट रिपोर्ट के मुताबिक वैक्सीन की मोनोक्लोनल एंटीबॉडी शरीर की टी कोशिकाओं पर पीडी-1 नाम के प्रोटीन से चिपकती है और कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करती है। इससे रोग प्रतिरोधक प्रणाली सक्रिय होकर कैंसर कोशिकाओं को खत्म कर देती है। एनएचएस का कहना है कि यह टीका अगले माह से लगाया जाएगा। इससे हर माह 1000 घंटे के उस समय की बचत भी होगी, जो मरीजों के इलाज में खर्च होता है। वैक्सीन प्री-कैंसर स्टेज में कैंसर कोशिकाओं को भी टारगेट करेगी, जिससे कैंसर का विकास नहीं होगा।

■ सरकार ने उसना व मिल्ड चावल पर 20 फीसदी टैक्स लगाया–

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने परबॉयल्ड (उसना) चावल और कुछ खास मिल्ड राइस की किस्मों पर 20% एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाने का फैसला किया है। यह नया नियम 1 मई, 2025 से लागू हो गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और चावल के निर्यात को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय की ओर से जारी सर्कुलर के मुताबिक, यह निर्यात शुल्क उन परबॉयल्ड चावलों पर लागू होगा, जिनमें जीआई टैग वाले और अन्य प्रकार के चावल शामिल हैं। इसके अलावा अन्य चावल श्रेणी के तहत आने वाले सेमी-मिल्ड या पूरी तरह से मिल्ड, पॉलिश या ग्लेज्ड चावलों पर भी यह शुल्क लगेगा।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

गौरतलब है कि गेहूँ की सरकारी खरीद का आँकड़ा इस साल अब तक 250 लाख टन को पार कर गया है।

- **अप्रैल, 2025 में अब तक का सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन हुआ; 2.37 लाख करोड़ का राजस्व मिला–**

1 मई, 2025 को केन्द्र सरकार ने जीएसटी के आँकड़े जारी किए। देश में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन ने अप्रैल, 2025 में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार जीएसटी कलेक्शन 12.6 फीसदी बढ़कर 2.37 लाख करोड़ रुपए पहुँच गया। वहीं पिछले माह मार्च में यह कलेक्शन 9.9% बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए हो गया था। इससे पहले सबसे अधिक कलेक्शन 2.10 लाख करोड़ रुपए अप्रैल, 2024 में हुआ था। यह 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद दूसरा सबसे बड़ा कलेक्शन था। बजट में सरकार ने जीएसटी राजस्व में 11% की वृद्धि का अनुमान लगाया है। सरकार का अनुमान है कि सेंट्रल जीएसटी और मुआवजा उपकर सहित कुल कलेक्शन 11.78 लाख करोड़ रुपए होगा।

जीएसटी का रिकॉर्ड कलेक्शन देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है। यह मजबूत घरेलू खपत और आयात गतिविधियों को दिखाता है। ये आँकड़े देश की वित्तीय व्यवस्था और आर्थिक सुधार के प्रयासों के लिए अच्छे हैं। यह वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच लचीलापन दिखाता है।

Newspaper of 3 May, 2025

- **विझिंगम : केरल में देश का पहला ट्रांसशिपमेंट पोर्ट शुरू हुआ; 20 मीटर गहरा है; विदेशी बंदरगाहों पर भारत की निर्भरता कम होगी, हर साल बचेंगे 1800 करोड–**

2 मई, 2025 को पीएम नरेन्द्र मोदी ने तिरूवनंतपुरम के पास विझिंजम इंटरनेशनल सी-पोर्ट राष्ट्र को समर्पित किया। विझिंजम देश का पहला डेडिकेटेड ट्रांसशिपमेंट हब और सेमी-ऑटोमेटेड पोर्ट है। देश के पहले ट्रांसशिपमेंट पोर्ट का ट्रायल ऑपरेशन कमर्शियल ऑपरेशन दिसंबर 2024 में ही शुरू हो गया था। जबकि जुलाई में ट्रायल ऑपरेशन हुआ था।

कैसे काम करता है ट्रांसशिपमेंट हब

ट्रांसशिपमेंट हब ऐसा प्रमुख बंदरगाह होता है, जहाँ कार्गो कंटेनरों को उनके अंतिम गंतव्य तक पहुँचाने के लिए एक जहाज से दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जाता है। बड़े जहाज इन गहरे पानी के बंदरगाहों पर कंटेनर उतारते हैं और फिर कार्गो को छोटे फीडर जहाजों पर ले जाया जाता है, जो इसे क्षेत्रीय बंदरगाहों तक पहुँचाते हैं।

ट्रांसशिपमेंट हब के फायदे

ट्रांसशिपमेंट हब का उद्देश्य विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता को कम करना है। अभी भारत अपने 75% ट्रांसशिपमेंट कार्गो के लिए कोलंबो, सिंगापुर और दुबई जैसे विदेशी बंदरगाहों पर निर्भर है। इससे देश को हर वर्ष करीब 220 मिलियन डॉलर (करीब 1800 करोड़ रुपए) के राजस्व का नुकसान होता है, जो अब बचेगा।

निगरानी क्षमता भी होगी मजबूत

ट्रांसशिपमेंट हब से बड़ी संख्या में नौकरियाँ पैदा होंगी और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश की सुरक्षा के लिहाज से भी ये काफी अहम् है, क्योंकि ये हिंद महासागर में देश की निगरानी क्षमताओं को बढ़ाएगा। समुद्री सुरक्षा और व्यापार मार्ग के लिए अहम।

एआई पावर्ड ट्रेफिक मैनेजमेंट

विझिंजम पोर्ट में पूरी तरह से ऑटोमेटेड यार्ड क्रेन और रिमोट से चलने वाले शिप-टू-शोर क्रेन हैं। इसमें भारत का पहला होम-बिल्ट, एआई पावर्ड वेसल ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम भी है, जिसे आइआइटी मद्रास की मदद से तैयार किया गया है।

विझिंजम सीपोर्ट परियोजना की खास बातें

- 8867 करोड़ रुपए अनुमानित लागत प्रोजेक्ट की। दिसंबर 2015 में शुरू हुआ था।
- 65.46% काम पूरा, दिसंबर 2028 तक परियोजना के सभी चरण पूरे हो जाएँगे।
- 18 से 20 मीटर की गहराई वाला सीपोर्ट हर मौसम में काम कर सकता है।
- 24000 टीईयू (ट्वेंटी फीट इक्विलेंट यूनिट्स) क्षमता के भारी जहाजों की क्षमता।
- 285 से अधिक जहाज इस बंदरगाह पर डॉक कर चुके हैं।

- **पहली बार भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट्स की 'नाइट लैंडिंग' हुई; उत्तर प्रदेश के गंगा एक्सप्रेस-वे पर इमरजेंसी एयर स्ट्रिप विकसित–**

2 मई, 2025 को भारत के इतिहास में पहली बार उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर से होकर गुजरने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे पर निर्मित हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमानों ने नाइट लैंडिंग की। इस दौरान एक्सप्रेस-वे पर बनी नाइट लैंडिंग हवाई पट्टी पर टच करते हुए कई लड़ाकू विमानों ने पराक्रम दिखाया। मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाले 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे पर जलालाबाद तहसील के पीरु गांव के पास 3.9 किमी लंबी हवाई पट्टी पर एयर शो का आयोजन किया गया।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर शाहजहांपुर के निकट पहली बार इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (एयर स्ट्रिप) विकसित होने के बाद एयरफोर्स के राफेल, सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस जैसे दर्जन भर फाइटर्स ने यहाँ पर टच एंड गो का अभ्यास किया। गंगा एक्सप्रेस-वे के रनवे पर लैंडिंग के लिए भारतीय वायुसेना के पाँच बड़े एयरबेस से विमानों ने उड़ान भरी। गाजियाबाद के निकट हिंडन एयरबेस इस पूरे ऑपरेशन की

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

धुरी बनकर उभरा है। यहाँ से भारत ने अपनी हवाई ताकत का दुनिया के सामने प्रदर्शन किया। हिंडन एयरबेस से राफेल सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस व जगुआर, लखनऊ से सुखोई, बरेली से सुखाई 30 एमकेआई, ग्वालियर से मिराज, गोरखपुर से जगुआर, आगरा से एएन 32 विमान उतारे गए हैं।

Newspaper of 4 May, 2025

- **हाल ही में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) ने विश्व की 5वीं सबसे ऊँची चोटी माउंट मकालू (5485 मीटर) पर सफल आरोहण कर ऐतिहासिक कीर्तिमान बनाया। यह किसी भी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) द्वारा इस शिखर पर किया गया पहला आरोहण है। आइटीबीपी ने 19 अप्रैल, 2025 को यह रिकॉर्ड बनाया।**
- **'ला प्रेंसा' को यूनेस्को प्रेस फ्रीडम अवॉर्ड मिला–**

हाल ही में यूनेस्को ने 2025 का प्रेस फ्रीडम पुरस्कार निकारागुआ के निर्वासित अखबार ला प्रेंसा को दिया है। 1926 मे स्थापित यह अखबार बार-बार तानाशाही से लड़ता रहा है। 2021 में राष्ट्रपति डेनियल ओर्टेगा के दौर में इसके कार्यालय पर छापा पड़ा, मैनेजर जुआन होलमैन गिरफ्तार हुए और निर्वासित कर दिए गए। अब पत्रकार कोस्टा रिका, अमेरिका, स्पेन, जर्मनी और मैक्सिको से काम कर रहे हैं। 2021 के चुनावों के बाद निकारागुआ में मीडिया पर शिकंजा और कस गया, सैकड़ों लोग जेल भेज दिए गए।

Newspaper of 6 May, 2025

- **अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) ने पुरुष क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट (टी20, टेस्ट, वनडे) की रैंकिंग जारी की–**

5 मई, 2025 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आइसीसी) ने पुरुष क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट की सालाना रैंकिंग जारी की। वनडे और टी20 में भारतीय टीम ने अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। हालांकि टेस्ट रैंकिंग में एक पायदान खिसककर वह चौथे नंबर आ गया। टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की टीम शीर्ष पर बरकरार है, हालांकि उसके अंक कम हुए हैं।

तीनों फॉर्मेट में टीमों की रैंकिंग

	वनडे	टी20	टेस्ट
1.	भारत	भारत	ऑस्ट्रेलिया
2.	न्यूजीलैंड	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड
3.	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	द. अफ्रीका
4.	श्रीलंका	न्यूजीलैंड	भारत
5.	पाकिस्तान	वेस्टइंडीज	न्यूजीलैंड
6.	द. अफ्रीका	द. अफ्रीका	श्रीलंका
7.	अफगानिस्तान	श्रीलंका	पाकिस्तान
8.	इंग्लैंड	पाकिस्तान	वेस्टइंडीज
9.	वेस्टइंडीज	बांग्लादेश	बांग्लादेश
10.	बांग्लादेश	अफगानिस्तान	आयरलैंड

टी20 : 100 टीमों में शीर्ष पर इंडिया

टी20 में मौजूदा चैंपियन भारत शीर्ष पर है। पहली बार वार्षिक टी20 रैंकिंग में दुनिया की 100 टीमों को शामिल किया गया। इसमें वे टीमें शामिल थी, जिन्होंने पिछले तीन वर्ष में कम से कम आठ टी-20 अन्तरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

टेस्ट मैच : शीर्ष पर ऑस्ट्रेलियाई टीम

टेस्ट प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया 10 टीमों में शीर्ष पर बरकरार है। हालांकि उसकी बढ़त 15 से घटकर 13 अंक रह गई है। ऑस्ट्रेलिया के 126 रेटिंग अंक हैं। 105 रेटिंग अंक के साथ भारत चौथे स्थान पर है।

- **दुनिया का सबसे लंबा इलेक्ट्रिक वाहन 'हुल 096' जहाज लॉन्च हुआ; 130 मीटर लंबा, 2100 यात्री क्षमता–**

हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई बीटबिल्डर इंकैट ने दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी-चालित जलयान 'हुल 096' (चाइना जोरिल्ला) लॉन्च किया है। यह केवल जहाज नहीं, बल्कि 130 मीटर लंबा दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन भी है। यह द. अमेरिका के मोंटेवीडियो, उरुग्वे के शहरों व अर्जेंटीना की राजधानी के बीच फेरी सेवा देगा। इसकी क्षमता करीब 2100 यात्रियों और 225 वाहनों की है। इसमें 250 टन बैटरियों से चलने वाली 40 मेगावॉट-घंटा का एनर्जी स्टोरेज सिस्टम है। इसमें 2300 वर्ग मीटर का ड्यूटी-फ्री डेक भी बन रहा है।

- **रिन्युएबल एनर्जी से बिजली बनाने वाला भारत अब तीसरा बड़ा देश बना; 5 वर्षों में विंड और सोलर एनर्जी क्षमता दोगुनी हुई; दो साल में (2022 और 2024 के बीच) सोलर-मॉड्यूल का निर्यात भी 23 गुना बढ़ा–**

रिसर्च फर्म एम्बर के अनुसार, पिछले 5 वर्षों में भारत की पवन व सौर ऊर्जा क्षमता दोगुनी हो गई है। चीन और अमेरिका के बाद भारत रिन्युएबल एनर्जी से बिजली बनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। भारत की योजना 2030 तक अपने बिजली ग्रिड में नॉन फॉसिल फ्यूल से 500 गीगावाट ऊर्जा शामिल करने की है। भारत उन देशों की माँगों को भी कैश करना चाहता है, जो सौर ऊर्जा उपकरणों की सप्लाई के लिए चीन पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। बीते साल भारत के आधे से ज्यादा सोलर मॉड्यूल अमेरिका को एक्सपोर्ट हुए। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

एनालिसिस के अनुसार 2022 और 2024 के बीच भारतीय सोलर मॉड्यूल के निर्यात में 23 गुना बढ़ोतरी हुई। यह ग्रोथ इतनी शानदार थी कि इस इंस्टीट्यूट को लगता है कि भारत अमेरिका को सोलर फोटोवोल्टिक्स के प्रमुख सप्लायर के रूप में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की जगह ले सकता है।

देश की कुल रिन्युएबल एनर्जी क्षमता में सोलर का हिस्सा 48% पहुँचा–

सेगमेंट	कुल इंस्टॉलेशन
सोलर	105.65
विंड	50.04
बायो	11.58
छोटे हाइड्रोपावर	5.10
बड़े हाइड्रोपावर + अन्य	47.73
कुल रिन्युएबल क्षमता	220.10

(आँकड़े गीगावाट में, 31 मार्च 2025 तक)

- आईईएफए की तिमाही रिपोर्ट के मुताबिक देश में जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के दौरान 7.7 गीगावाट सोलर एनर्जी कैपेसिटी बढ़ी है। यह बीते तीन साल में किसी तिमाही में दूसरी सबसे बड़ी बढ़ोतरी है।
- पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में 24 गीगावाट सोलर एनर्जी कैपेसिटी बढ़ी है। सोलर एनर्जी की कुल क्षमता 105.65 गीगावाट हो गई है। कुल 220 गीगावाट रिन्युएबल एनर्जी कैपेसिटी में इसकी हिस्सेदारी 48% है।

दुनिया का पहला कम्प्यूटर जो इंसानी दिमाग और सिलिकॉन चिप को जोड़ता है; ब्रेन से जुड़ी बीमारियों की रिसर्च खोज में मददगार–

दुनिया का पहला ऐसा कम्प्यूटर तैयार हो गया है, जो इंसानी न्यूरॉन्स यानी दिमाग की कोशिकाओं को सिलिकॉन चिप से जोड़ता है। ऑस्ट्रेलिया की स्टार्टअप कंपनी कॉर्टिकल लैब्स ने इसे तैयार किया है। इस कम्प्यूटर का नाम सीएल-1 है और यह 2 मार्च को लॉन्च हुआ।

कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का पहला बायोलॉजिकल कम्प्यूटर है, जिसमें कोड डिप्लॉय किया जा सकता है। इसका आकार एक शू-बॉक्स जितना है और इसका इस्तेमाल ब्रेन से जुड़ी बीमारियों की रिसर्च और नई दवाओं की खोज में किया जा सकेगा। सीएल-1 में एक पोषक तत्त्व से भरा तरल इंसानी न्यूरॉन्स को जीवित रखता है। ये न्यूरॉन्स एक सिलिकॉन चिप पर उगते हैं। चिप न्यूरॉन्स को इलेक्ट्रिकल सिग्नल भेजती है और उनसे रिसीव भी करती है। इसी प्रोसेस से न्यूरॉन्स को ट्रेन किया जाता है।

जीनोम एडिटेड धान की दो वैरायटीज तैयार; एआई तकनीक से बनीं ये किस्में कम पानी में ज्यादा पैदावार देंगी–

देश में पहली बार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) ने दो जीनोम एडिटेड धान की किस्में विकसित की हैं। ये किस्में जलवायु के अनुकूल हैं, कम पानी में भी अच्छी उपज देती हैं और पारंपरिक किस्मों की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए नई खूबियों से लैस हैं। इन दो किस्मों के नाम हैं 'कमला' (डीआरआर धान 100) और 'पूसा डीएसटी राइस 1'। इन्हें अत्याधुनिक जीनोम एडिटिंग तकनीक से तैयार किया गया है, जिसमें एआई आधारित क्रिस्पर-कास9 तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। इस तकनीक को 2020 में रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। कमला किस्म को हैदराबाद स्थित भारतीय धान अनुसंधान संस्थान ने विकसित किया है। इसकी औसत उपज 5.37 टन प्रति हेक्टेयर है।

Newspaper of 8 May, 2025

पहलगाम में हुए आंतकी हमले के जवाब में भारत ने सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया–

ऑपरेशन सिंदूर : आतंक पर प्रहार

- वर्तमान का ज्वलंत मुद्दा 'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकवाद के खिलाफ भारत की नवीनतम उच्च-सटीक सैन्य प्रतिक्रिया का अकाट्य व अतुलनीय उदाहरण है, जिसे क्रूर पहलगाम हमले के बाद शुरू किया गया।
- जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में पर्यटकों पर 22 अप्रैल, 2025 को आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 लोगों (25 पर्यटक और एक स्थानीय युवक) की हत्या कर दी गई थी। इस आतंकी घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 में हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया तथा आतंकी गतिविधियों को समूल नष्ट करने के संकल्प के साथ 6-7 मई, 2025 की रात को उच्च-सटीक सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया, जिसमें भारतीय रक्षा बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओके) में जगहों पर स्थित आंतकवादी बुनियादी ढाँचे को नष्ट कर दिया।
- भारत की इस स्ट्राइक में आतंकी अड्डों में लगभग 100 आतंकी मारे गए।
- इस ऑपरेशन की जानकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ दुनिया के समक्ष रखी।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

- पाकिस्तान की ओर से की गई सैन्य ड्रोन व मिसाइलों को भारतीय एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली (Integrated air defence system) ने पूर्णतः नाकाम कर दिया। इसमें भारत के स्वदेशी '**आकाशतीर**' और रूस से आयातित 'एस-400' रक्षा प्रणाली ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- पाकिस्तान के डीजीएमओ द्वारा भारत की डीजीएमओ को फोन करने के बाद 10 मई, 2025 को दोनों तरफ से सीजफायर पर सहमति बनी।
- सीजफायर के बाद तीनों सेना के प्रतिनिधियों ने पूरे ऑपरेशन की जानकारी साक्ष्यों सहित देश-दुनिया के सामने रखी।
- सीजफायर के बाद ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में भारत का पक्ष पूरी दुनिया के समक्ष रखने के लिए भारत ने 7 ऑल पार्टी डेलिगेशन्स को विश्व के अलग-अलग देशों में भेजा।
- वैजयंत पांडा, रविशंकर प्रसाद, संजय कुमार झा, श्रीकांत शिंदे, शशि थरूर, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमण्डलों ने लगभग 32 देशों में जाकर वहाँ की सरकार और वहाँ के थिंक टैंक को पाकिस्तान की आतंकियों से साँठगाँठ और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तृत जानकारी दी।
- प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादी हमले को 'एक्ट ऑफ वॉर' माने जाने की घोषणा के साथ ही ऑपरेशन सिंदूर को आतंक के विरूद्ध भारत का न्यू नॉर्मल (नया पैमाना) बताया।

■ अमेरिका की तर्ज पर गुजरात पुलिस का सीक्रेट ऑपरेशन 'डिपोर्ट बांग्लादेशी'; 300 से अधिक बांग्लादेशियों को विमान में बैठा कर रवाना किया–

गुजरात पुलिस ने भी सीक्रेट ऑपरेशन 'डिपोर्ट बांग्लादेशी' को अंजाम दे दिया है। 300 से अधिक बांग्लादेशियों की शिनाख्त के बाद इन्हें विमान में बैठा कर गुजरात ही नहीं पावन भारत भूमि से बाहर कर दिया गया है। स्वदेश भेजे गए इन बांग्लादेशियों को गुजरात पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद राज्यभार में चलाए 'विशेष सर्च अभियान' के अंतर्गत हिरासत में लिया था। इसके बाद जाँच-कानूनी प्रक्रिया के बाद चरणबद्ध रूप से डिपोर्ट कर दिया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद 27 अप्रैल को गुजरात पुलिस ने राज्य भर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान-धरपकड़ का अभियान शुरू किया। अहमदाबाद में 800 और सूरत में 134 संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठिये पकड़े गए।

■ भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास–

हाल ही में कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। रोहित ने पिछले साल जून में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। वे अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते नजर आएंगे व टीम के कप्तान बने रहेंगे। रोहित का यह फैसला पिछले साल के अंत में बांग्लादेश व न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज और फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आया है।

रोहित शर्मा का टेस्ट करियर–

मैच	**67**	**औसत**	**40.58**
पारियाँ	**116**	**50/100**	**18/12**
रन	**4302**	**सर्वश्रेष्ठ**	**212**

■ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहा भारत–

एक साथ आजाद हुए भारत और पाकिस्तान के बीच वर्तमान समय में बहुत बड़ा अंतर है। एक तरफ भारत जो समृद्धि के नए आयाम लिख रहा है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। वहीं, पाकिस्तान आतंक का अड्डा बना हुआ है। विश्व बैंक के 2024 के आँकड़ें को देखें तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.88 ट्रिलियन डॉलर के करीब है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था (केवल 0.37 ट्रिलियन डॉलर) के आकार से 10 गुना अधिक है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में जापान को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है और चालू वित्त वर्ष में जीडीपी का आकार 4.187 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है।

■ एविएशन सेक्टर को रफ्तार देगी नई टैक्स नीति; भारत में भी अमेरिकी मॉडल अपनाने की तैयारी–

भारत में बिजनेस एविएशन यानी प्राइवेट जेट और छोटे विमानों से जुड़ा सेक्टर धीरे-धीरे बढ़ रहा है, लेकिन भारी टैक्स और नियमों के कारण इसे मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अब एक नई रिपोर्ट में ऐसा सिस्टम लाने का सुझाव दिया गया है जिससे इस सेक्टर को बढ़ावा मिले और सरकार को भी टैक्स का नुकसान न हो। 'अनलॉकिंग ग्रोथः प्रपोजिंग ऑल्टरनेटिव टैक्स रेवेन्यू सॉल्यूशन टू हेल्प ग्रो इंडियाज बिजनेस एविएशन सेक्टर' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान खरीदने पर लगने वाले भारी आयात टैक्स को हटाकर केवल उड़ान के इस्तेमाल के हिसाब से टैक्स लिया जाए।

Newspaper of 9 May, 2025

■ लखनऊ बनेगा ब्रह्मोस मिसाइल के उत्पादन का एक और केन्द्र–

ब्रह्मोस यूनिट के साथ-साथ, डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत योगी सरकार ने 12 अन्य कंपनियों को कुल 117.35 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। इनमें एरोलॉय टेक्नोलॉजी को

20 हेक्टेयर भूमि दी गई है। जिसका प्रथम चरण में 320 करोड़ का निवेश पूर्ण हो चुका है। इस कंपनी के उत्पादों का उपयोग स्पेस मिशन (जैसे चंद्रयान) और लड़ाकू विमानों में हो रहा है।

- **अमेरिका से चुने गए पहले पोप प्रीवोस्ट 'पोप लियो'–**

2000 साल पुरानी परंपराओं से भरे रोमन कैथोलिक चर्च के इतिहास में पहली बार एक अमेरिका कार्डिनल को पोप चुना गया है। 69 वर्षीय कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट, जो वर्षों तक पेरू में मिशनरी सेवा दे चुके हैं और वेटिकन के 'बिशप कार्यालय' के प्रमुख रहे हैं, अब पोप लियो चौदहवें के नाम से चर्च का नेतृत्व करेंगे। 8 मई, 2025 को सिस्टिन चैपल की चिमनी से उठा सफेद धुआँ इस ऐतिहासिक निर्णय का प्रतीक बना, जिसे देखते ही सेंट पीटर्स स्क्वायर में जमा हजारों लोगों की आँखों में आँसू और चेहरों पर मुस्कान थी। सेंट पीटर बेसिलिका की बालकानी से अपने पहले संबोधन में पोप लियो चौदहवें ने लोगों को संबोधित करते हुए भावुक अंदाज में कहा–'मैं एक ऑगस्टीनियन पादरी भी रहा हूँ, लेकिन उससे भी पहले, मैं एक ईसाई हूँ, एक बिशप हूँ और इसलिए, हम सब मिलकर साथ चल सकते हैं।'

Newspaper of 10 May, 2025

- **सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे प्रमुख बना–**

हाल ही में केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि भारत अब जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए पवन और सौर ऊर्जा का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। देश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता इस वर्ष अप्रैल में सालाना आधार पर 30.7 प्रतिशत बढ़कर 107.95 गीगावाट तक पहुँच गई, जो पिछले वर्ष अप्रैल में 82.64 गीगावाट थी। वैश्विक स्तर पर 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत स्वच्छ ऊर्जा क्षमता में लगातार वृद्धि कर रहा है। अप्रैल, 2025 में देश की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता वार्षिक आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 231.81 गीगावाट हो गई है, जो कि गत वर्ष 199.86 गीगावाट थी। भारत ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन में अग्रणी है और पिछले दशक में अकेले सौर ऊर्जा में 30 गुना से अधिक वृद्धि हुई है। देश ने निर्धारित समय से आठ वर्ष पहले ही 2030 के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को हासिल कर लिया है।

200 गीगावाट का लक्ष्य–देश ने 2030 के लिए निर्धारित 200 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य 2022 में ही हासिल कर लिया था, जो तय समय से आठ वर्ष पहले है। वहीं देश में सौर मॉड्यूल उत्पादन 2024 में 2 गीगावाट से बढ़कर 80 गीगावाट हो गया है।

Newspaper of 12 May, 2025

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण यूनिट का उद्घाटन किया; देश में हर वर्ष बनेंगी 100-150 ब्रह्मोस मिसाइलें–**

11 मई, 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक इकाई उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के तहत बनाई गई है, जिसमें छह प्रमुख नोड-लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, झांसी और चित्रकूट शामिल हैं। इस यूनिट में मौजूदा सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों का संयोजन व परीक्षण किया जाएगा। अभी ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन तिरुवनंतपुरम, नागपुर, हैदराबाद और पिलानी में किया जा रहा है। लखनऊ में हल्की और अगली पीढ़ी की मिसाइलें ही बनाई जाएँगी।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस भारत सरकार के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की सरकारी कंपनी एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया (एनपीओएम) का जॉइंट वेंचर है। इसमें भारत की 50.5% और रूस की 49.5% हिस्सेदारी है। यह देश का पहला रक्षा संयुक्त उद्यम है, जिसे विदेशी सरकार के साथ शुरू किया गया है।

देश की तीनों सेनाओं में ब्रह्मोस का इस्तेमाल हो रहा है।

ब्रह्मोस मिसाइल जमीन, हवा और समुद्र से लॉन्च की जा सकती है और 'फायर एंड फॉरगेट' सिद्धांत पर काम करती है, जिससे यह दुश्मन के रडार से बचकर सटीक निशाना लगा सकती है।

Newspaper of 13 May, 2025

- **ऑपरेशन सिंदूर : आतंकी ठिकानों पर सटीक वार करने में हमारे उपग्रहों ने निभाई निर्णायक भूमिका; रिसैट श्रृंखला के उपग्रहों से सटीक लोकेशन मैपिंग संभव हुई–**

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के भीतर 9 आतंकी ठिकानों को सटीक ढंग से ध्वस्त करने में भारत के अत्याधुनिक उपग्रहों ने अहम भूमिका निभाई। आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की पहली शर्त उनकी लोकेशन की मैपिंग करना था। यह काम इसरो के सिंथेटिक अपर्चर राडार से युक्त रिसैट श्रृंखला के उपग्रहों ने बेहद सटीकता से किया। इनमें रिसैट 1 ए, रिसैट-2 बी, रिसैट-2 बीआर-1 और रिसैट-2 बीआर-2 शामिल हैं। ये सभी उपग्रह पृथ्वी की निचली कक्षा में ऑपरेशनल हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हायसिस (हाइपर स्पेक्ट्रल इमेजिंग सैटेलाइट) व जीसैट-7 ए उपग्रह के आँकड़ों का भी उपयोग किया गया।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

पाकिस्तान का हर कोना निगरानी में–सिंथेटिक अपर्चर राडार उपग्रह पृथ्वी की उच्च रिजोल्यूशन वाली तस्वीरें उतारने में सक्षम है। पृथ्वी की निचली कक्षा में रिसैट शृंखला के उपग्रहों के ऑपरेशनल होने के बाद भारत ने समन्वित सीमा प्रबंधन प्रणाली (इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम) सक्रिय कर दिया। इस प्रणाली से पाकिस्तान के घर में बैठे हुए व्यक्ति को देख सकते हैं।

- **ऑपरेशन सिंदूर भारतीय हथियारों को मिलेगा नया बाजार! मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता सिद्ध हुई**–

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने सशक्त सैन्य शक्ति का प्रदर्शन दुनियाभर के सामने किया। इस ऑपरेशन में भारत ने रूसी, फ्रांसीसी, इजरायली और स्वदेशी हथियारों और सैन्य हार्डवेयर का इस्तेमाल किया, लेकिन चार दिनों तक चले 'युद्ध' ने भारत को स्वदेशी हथियारों और रक्षा प्रणालियों को प्रदर्शित करने का दुर्लभ अवसर प्रदान किया। ऑपरेशन सिंदूर विश्व में भारत निर्मित हथियारों का बड़ा प्रमोशन साबित हो सकता है, क्योंकि अब इनका परीक्षण समकक्ष शक्तियों के साथ युद्ध जैसी स्थिति में किया गया है। ये भारतीय हथियार अब दुनियाभर में, विशेषकर छोटे देशों में अधिक खरीदारों को आकर्षित कर सकते हैं। ब्रह्मोस व पिनाका मिसाइलों से लेकर रडार और आर्टिलरी सिस्टम तक भारत में बने उपकरणों ने लाइव कॉम्बैट में खुद को साबित किया है।

इन पाँच हथियारों में साबित की अपनी धार–

आकाश मिसाइल सिस्टम–स्वदेशी रूप से विकसित सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तानी ड्रोन हमलों का मुकाबला करने में अपनी प्रभावशीलता साबित कर दी है। यह 4.5 किमी से 25 किमी की दूरी तक संचालित होता है। यह एक साथ 64 टारगेट्स को ट्रैक और 12 टारगेट्स पर निशाना साध सकता है। अर्मेनिया ने इसे खरीदा है। आकाश मिसाइल में फिलीपींस, मिस्र, वियतनाम और ब्राजील ने अपनी रुचि दिखाई है।

एंटी ड्रोन डी-4 सिस्टम–इस स्वदेशी एंटी-ड्रोन प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना की ओर से छोड़े गए तुर्की में बने ड्रोन्स के हमलों को मात दी। यह उड़ते हुए ड्रोन का रियल टाइम में पता लगाने, ट्रैकिंग और निष्प्रभावी करने (सॉफ्ट/हार्ड किल) में सक्षम है। यह लेजर के जरिए ड्रोन के पाटर्स को पिघला सकता है। इसका जैमिंग फंक्शन ड्रोन को गुमराह करने के लिए जीपीएस स्पूफिंग और रेडियो फ्रीक्वेंसी को जाम कर देता है।

नागास्त्र-1 सुसाइड ड्रोन–भारत में बने नागास्त्र 1 लोइटरिंग म्यूनिशन का पहला बार जंग में इस्तेमाल हुआ। यह एक सुसाइड ड्रोन है जो अपने टारगेट को उड़ाने के लिए खुद को विस्फोट कर लेता है। यह लक्ष्य के ऊपर चक्कर लगाता रहा है और हमला करने के लिए सही क्षण की प्रतीक्षा करता है।

स्काईस्ट्राइकर ड्रोन–यह दूसरा लोइटरिंग म्यूनिशन सुसाइड ड्रोन है जिसे भारत (अदाणी समूह) ने इजरायल (एल्बिट सिक्योरिटी सिस्टम) के साथ पार्टनरशिप में बनाया है। स्काईस्ट्राइकर लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए एक सस्ता ड्रोन है। यह हवाई फायर मिशनों के लिए उपयुक्त है। यह अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम की तरह उड़ान भरता है और मिसाइल की तरह अटैक करता है।

ब्रह्मोस मिसाइल–भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का पहली बार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल किया गया, जब 10 मई को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तानी एयरबेसों पर सटीक हमले किए। ब्रह्मोस के हमलों से ही पाकिस्तान भारत के सामने घुटनों पर आया और सीजफायर की अपील की। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई देश ब्रह्मोस मिसाइल में दिलचस्पी दिखा सकते हैं।

- **हाल ही में 27वें एशियन फिल्म फेस्टिवल में माय मेलबर्न फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला है। यह फिल्म चार प्रमुख निर्देशकों-इम्तियाज अली, ओनिर, रीमा दास और कबीर खान ने मिलकर बनायी है। यह फिल्म विविधता, पहचान, भावनाएँ और सामाजिक मुद्दों पर आधारित है।**

Newspaper of 15 May, 2025

- **नासा ने ब्लैक होल से जुड़ी अंतरिक्ष की 3 नई ध्वनियाँ जारी की**–

हाल ही में नासा ने ब्लैक होल से जुड़ी तीन नई अंतरिक्ष ध्वनियाँ जारी की हैं। ये आवाजें 'सोनिफिकेशन' नाम की तकनीक से तैयार की गई हैं, जिसमें अंतरिक्ष टेलीस्कोप से मिले डेटा को ध्वनि में बदला जाता है। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि ब्लैक होल किस तरह की ध्वनि कर सकते हैं। इन ध्वनियों को तैयार करने में चंद्रा एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप और इमेजिंग एक्स-रे पोलरिमेट्री एक्सप्लोरर की मदद ली गई। नासा के मुताबिक, ब्लैक होल स्थिर नहीं होते और न ही एक जैसे होते हैं, वे समय के साथ बदलते हैं और उनके आकार व वातावरण में भी अंतर होता है।

- **गगनयान मिशन के लिए 2026 में फिर से ट्रेनिंग शुरू होगी**–

भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए अंतरिक्ष यात्रियों की ट्रेनिंग 2026 में फिर से शुरू होगी। यह ट्रेनिंग मिशन लॉन्च से एक साल पहले शुरू की जाएगी। गगनयान मिशन के तहत भारत पहली बार अपने अंतरिक्ष

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेगा। गगनयान की लॉन्चिंग 2027 की शुरुआत में तय की गई है। भारतीय वायुसेना के चार पायलट-ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप, अजीत कृष्णन, प्रशांत नायर और शुभांशु शुक्ला को गगनयान मिशन के लिए चुना गया है।

- **देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट उत्तर प्रदेश के जेवर में लगेगी; केन्द्रीय कैबिनेट ने 3706 करोड़ की परियोजना मंजूर की–**

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट उत्तर प्रदेश के जेवर में लगेगी। 14 मई, 2025 को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक में 3706 करोड़ रुपए की इस परियोजना को मंजूरी दी गई। फिलहाल पाँच यूनिट गुजरात व महाराष्ट्र में निर्माणाधीन हैं। जेवर प्लांट में बनने वाली चिप्स का इस्तेमाल मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, पीसी आदि में किया जाएगा। यह परियोजना एचसीएल और फॉक्सकॉन का संयुक्त उपक्रम होगी।

सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जेवर में स्थापित होने वाले प्लांट में करीब दो हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। यहाँ हर माह 3.6 करोड़ डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स का उत्पादन होगा। पहले से पाँच सेमीकंडक्टर यूनिट निर्माण के अंतिम चरण में हैं। इनमें से एक इकाई में इसी साल उत्पादन शुरू हो जाएगा। छठी यूनिट के साथ भारत रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उद्योग को विकसित करने की अपनी यात्रा में आगे बढ़ रहा है। वैष्णव ने कहा सेमीकंडक्टर उद्योग पूरे देश में आकार ले रहा है। कई राज्यों में विश्व स्तरीय डिजाइन सुविधाएँ आ गई है। राज्य सरकारें डिजाइन फर्मों से संपर्क कर रही है।

Newspaper of 16 May, 2025

- **हाल ही में पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का चैयरमेन नियुक्त किया गया है। पूर्व UPSC चैयरमेन प्रीति सूदन का कार्यकाल 29 अप्रैल, 2025 को पूरा होने के बाद से यह पद खाली था। अजय कुमार 1985 बैच के केरल कैडर के आइएएस अफसर हैं।**

- **भारत ने हाई-किल काउंटर-स्वार्म ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का परीक्षण किया–**

15 मई, 2025 को भारत ने गोपालपुर, ओडिशा की सीवर्ड फायरिंग रेंज में हार्ड-किल काउंटर-स्वार्म ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान इस सिस्टम ने सभी निर्दिष्ट प्रदर्शन लक्ष्यों को भेदने में सफलता प्राप्त की।

- **अब कागज पर नहीं सांसद-विधायक ऑनलाइन देंगे अनुशंसा; विकास कार्यों की स्वीकृति में आएगी पारदर्शिता–**

'ई-वर्क' मोबाइल ऐप की सुविधा शुरू होने से अब विधायकों एवं सांसदों (जनप्रतिनिधियों) को विकास कार्यों की अनुशंसा के लिए डिजिटल प्रणाली का उपयोग करना होगा। ग्रामीण विकास विभाग ने इसके लिए ई-वर्क मोबाइल ऐप की सुविधा शुरू की है। विधायक अब मोबाइल पर ही देख सकेंगे कि उन्होंने जिन कार्यों की अनुशंसा की है, उनकी वित्तीय स्वीकृति, भौतिक प्रगति, आवंटित-स्वीकृत राशि क्या है। इसी तरह संबंधित विभागों के अधिकारी भी इन कार्यों का निरीक्षण, प्रगति रिपोर्ट ऐप से देख सकेंगे। विभागीय योजनाओं के तहत किए जाने वाले कार्यों की प्रशासनिक, तकनीकी और वित्तीय स्वीकृति भी अब 'ई-वर्क' पोर्टल के माध्यम से ई-साइन से ऑनलाइन ही दी जाएगी।

- **हाल ही में भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) की कानपुर लैब ने 'नैनोपोरस मल्टीलेयर्ड पॉलिमर मेम्ब्रेन' तकनीक विकसित की है। यह खारे समुद्री पानी को पीने योग्य मीठे पानी में बदल सकती है। यह स्वदेशी तकनीक खास तौर से भारतीय तटरक्षक बल के जहाजों के लिए तैयार की गई है। प्रारम्भ में इसे भारतीय तटरक्षक बल के ऑफशोर पेट्रोलिंग वेसल (ओपीवी) पर ट्रायल के लिए लगाया गया है।**

Newspaper of 17 May, 2025

- **संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाया; अब 6.6% की बजाय 6.3% की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था–**

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 के लिए भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ का अनुमान 6.6% से घटाकर 6.3% कर दिया है। हालांकि, जीडीपी ग्रोथ के अनुमान में कटौती के बावजूद भारत मजबूत खपत और सरकारी खर्च के चलते दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। संयुक्त राष्ट्र ने कहा, ग्लोबल इकोनॉमी नाजुक मोड़ पर है, जिसकी अहम वजह बढ़ता ट्रेड तनाव है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ अब 2025 में 2.4% रहने का अनुमान है, जो 2024 में 2.9% थी। यह जनवरी 2025 के अनुमान से 0.4% कम है। 2026 के लिए जीडीपी ग्रोथ 2.5% रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में ग्रोथ 2024 के 2.8% से घटकर 2025 में 1.6% होने का अनुमान हैं।

- **जगद्गुरु रामभद्राचार्य और गुलजार को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला–**

16 मई, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में

संस्कृत के विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य और गीतकार गुलजार को वर्ष 2023 के लिए 58वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें एक प्रशस्ति पत्र, नकद पुरस्कार और वाग्देवी सरस्वती की कांस्य प्रतिमा दी गई। चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक 75 वर्षीय रामभद्राचार्य आध्यात्मिक गुरु, शिक्षक और कई पुस्तक और ग्रंथों के लेखक हैं। 90 वर्षीय गुलजार अस्वस्थ होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके।

Newspaper of 19 May, 2025

- **18 मई, 2025 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के ईओएस-09 सैटेलाइट का लॉन्चिंग मिशन सफल नहीं हो सका। पीएसएलवी-सी 6 रॉकेट से लॉन्चिंग के बाद तीसरे चरण के दौरान तकनीकी गड़बड़ी देखी गई। गौरतलब है कि मिशन के तहत ईओएस-09 सैटेलाइट को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाना था।**

- **उत्कृष्ट योगदान के लिए चुने गए 17 सांसद, 'संसद रत्न' पुरस्कार 2025 से होंगे सम्मानित–**

संसद में उत्कृष्ट और निरंतर योगदान के लिए 17 सांसदों और दो संसदीय स्थायी समितियों (वित्त और कृषि) को संसद रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा। प्राइम पॉइंट फाउंडेशन की ओर से चयनित सांसदों में भर्तृहरि महताब, सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी), एनके प्रेमचंद्रन (आरएसपी) और एसए बारणे को संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। अन्य सांसदों में स्मिता वाघ, मेधा कुलकर्णी, प्रवीण पटेल, रवि किशन, निशिकांत दुबे, विद्युत बरण महतो, पीपी चौधरी, मदन राठौड़, दिलीप सैकिया (सभी भाजपा), अरविंद सावंत (शिवसेना-उद्धव), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस) व सीएन अन्नादुरै (डीएमके) शामिल हैं।

Newspaper of 20 May, 2025

- **गृहमंत्री अमित शाह ने 'ई-जीरो एफआइआर' पहल की शुरुआत की–**

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र ने अभूतपूर्व गति से अपराधियों को पकड़ने के लिए 'ई-जीरो एफआइआर' पहल की शुरुआत की है। दिल्ली के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया यह नया सिस्टम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दर्ज साइबर वित्तीय अपराधों को स्वत: एफआइआर में बदल देगा। शुरू में यह 10 लाख से ऊपर की सीमा के लिए होगा। नया सिस्टम जाँच में तेजी लाएगा, जिससे साइबर अपराधियों पर सख्ती हो सकेगी, जल्द ही इसका विस्तार पूरे देश में किया जाएगा। नई प्रक्रिया में एनसीआरपी सिस्टम, दिल्ली पुलिस के ई-एफआईआर सिस्टम और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) का एकीकरण शामिल है। अब एनसीआरपी और हेल्पलाइन नंबर 1930 पर 10 लाख से अधिक की वित्तीय हानि से संबंधित शिकायतें स्वचालित रूप से दिल्ली के ई-क्राइम पुलिस स्टेशन में जीरो एफआइआर के रूप में दर्ज होंगी। इसे तुरंत संबंधित क्षेत्रीय साइबर अपराध पुलिस स्टेशनों को भेजा जाएगा। शिकायतकर्ता तीन दिन के भीतर साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में जाकर जीरो एफआइआर को नियमित एफआइआर में परिवर्तित करा सकते है।

- **हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों को मिलेगी 'वन रैंक-वन पेंशन'–**

सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में हाईकोर्ट के जजों को 'वन रैंक-वन पेंशन' सिद्धांत के अनुसार समान पेंशन देने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि रिटायर्ड जज सेवानिवृत्ति की तिथि, सेवा अवधि व प्रवेश के तरीके (सर्विस या बार कोटा) का आधार देखे बिना समान पेंशन पाने के हकदार हैं। सीजेआइ बीआर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने स्वप्रेरणा से शुरू मामले व कुछ याचिकाओं पर फैसले में यह निर्देश दिए। बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस को सालाना 15 लाख व रिटायर्ड जज को 13.50 लाख रुपए पेंशन दी जाएगी। फैसले में यह भी कहा गया कि ग्रेच्युटी, विधवा पेंशन और अन्य पारिवारिक लाभ सभी जजों के लिए समान होंगे, जिससे किसी भी जज या उनके डिपेंडेंट के साथ भेदभाव अनुच्छेद 14 के खिलाफ होगा।
रिटायर्ड अतिरिक्त जजों को भी जजों के समान पेंशन का लाभ मिलेगा। सीजेआइ गवई ने कहा कि रिटायर्ड जजों को पेंशन के भुगतान के मामले में किसी भी आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए यह आवश्यक है कि सेवानिवृत्ति के लिए बाद भी उन्हें समान सेवानिवृत्ति लाभ मिले। एक बार जब कोई जज संवैधानिक पद पर आसीन हो जाता है, तो पद की गरिमा की माँग होती है कि उन्हें समान पेंशन दी जाए।

Newspaper of 21 May, 2025

- **20 मई, 2025 को खुफिया ब्यूरो (आइबी) प्रमुख तपन कुमार डेका का कार्यकाल एक वर्ष के लिए 2026 तक बढ़ा दिया गया है। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के आइपीएस अधिकारी तपन कुमार डेका को वर्ष 2022 में दो साल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया था। गत**

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

वर्ष जून 2024 में भी उन्हें एक साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया था।

- **जटिल ब्रह्मांड को आसान भाषा में किताबों में पेश करने वाले नार्लीकर का भी सफर थमा–**

मशहूर खगोलविद् डॉ जयंत नार्लीकर (87) का मंगलवार तडके पुणे में निधन हो गया। पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. नार्लीकर का जीवन वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा और विज्ञान को आम जन तक पहुँचाने के प्रति समर्पित रहा। उनकी विज्ञान कथाएँ और विज्ञान से जुड़ा लेखन काफी लोकप्रिय रहा। डॉ. नार्लीकर साइंस कम्युनिकेटर भी थे। यानी जटिल वैज्ञानिक जानकारी आसान भाषा में समझाते थे। वह 'हॉयल-नार्लीकर थ्योरी ऑफ ग्रैविटी' के लिए दुनियाभर में जाने जाते हैं। महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें 'महाराष्ट्र भूषण' पुरस्कार से सम्मानित किया था। पिता विष्णु वासुदेव नार्लीकर बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में गणित के प्रोफेसर, जबकि माँ सुमति संस्कृत की विदुषी थीं। उन्हें 1972 में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च में खगोल विज्ञान विभाग का प्रमुख बनाया गया। उन्होंने 1988 में पुणे में इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स की स्थापना की। नार्लीकर ने 30 से ज्यादा विज्ञान पुस्तकें और उपन्यास लिखे। ब्रिटिश वैज्ञानिक सर फ्रेड हॉयल के साथ मिलकर हॉयल-नार्लीकर गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत विकसित किया।

- **परमाणु कार्यक्रमों के प्रणेता वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन (95) का निधन हुआ–**

20 मई, 2025 को भारत के परमाणु कार्यक्रमों को दिशा देने वाले वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन (95) का ऊटी में निधन हो गया। उन्होंने देश के परमाणु कार्यक्रमों के जनक माने जाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहाँगीर भाभा के साथ काम किया था। इन्होंने देश के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर 'अप्सरा' के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी।

बेंगलुरू में जन्मे श्रीनिवासन वर्ष 1955 में 25 साल की उम्र में मुंबई के भारतीय परमाणु प्रतिष्ठान में शामिल हुए। उसी दौरान उन्हें भाभा के साथ काम करने का मौका मिला। डॉ. भाभा की 24 जनवरी, 1966 को विमान हादसे में मौत हो गई थी। इससे पहले उन्होंने भावी योजनाएँ बना ली थीं। श्रीनिवासन ने इन योजनाओं को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। विक्रम साराभाई द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र की कमान संभालने के बाद श्रीनिवासन ने डॉ. होमी सेठना के साथ परमाणु कार्यक्रमों की कमान संभाली। डॉ. श्रीनिवासन परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव भी रहे। उनके कार्यकाल में परमाणु तकनीक का इस्तेमाल कैंसर के इलाज और खेती में भी शुरू हुआ। इससे लाखों लोगों को फायदा हुआ। उन्हीं के कार्यकाल में भारत ने रूस और फ्रांस जैसे देशों के साथ परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ाया। वह भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआइल) के संस्थापक अध्यक्ष थे।

विज्ञान और मेहनत से कुछ भी असंभव नहीं–गैस टरबाइन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डॉ. श्रीनिवासन को महारथ हासिल थी। उन्हें वर्ष 1959 में भारत के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के निर्माण के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया। वह कहते थे कि विज्ञान और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने देश को परमाणु ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने का सपना साकार किया। उन्हें 'भारत का परमाणु शिल्पी' भी कहा जाता था।

पद्म पुरस्कार, योजना आयोग में भी सेवाएँ–देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. श्रीनिवासन को पद्म श्री (1984), पद्म भूषण (1990) और पद्म विभूषण (2015) से सम्मानित किया गया। वह 1996 से 1998 तक भारत सरकार के योजना आयोग के सदस्य रहे। यहाँ उन्होंने ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभागों का कार्यभार संभाला। वह 2002 से 2004 और 2006 से 2008 तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य भी रहे।

Newspaper of 22 May, 2025

- **16वीं एशियाई शेर गणना में गुजरात में एशियाई शेरों की संख्या 674 (वर्ष 2020) से बढ़कर 891 हुई; गुजरात सरकार ने नवीन आँकड़े जारी किए–**

गुजरात में एशियाई शेरों की संख्या में पिछले पाँच साल में 217 (32%) की बढ़ोतरी हुई है। मई 2024 में हुई शेरों की गिनती के मुताबिक राज्य में शेरों की संख्या 891 हो गई है, जो 2020 में 674 थी। गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल ने 21 मई, 2025 को गिनती का ब्यौरा जारी करते हुए कहा कि शेर सिर्फ गिर के जंगलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सौराष्ट्र के 11 जिलों में फैले हुए हैं।

गुजरात में एशियाई शेरों का वर्षवार आँकड़ा–

वर्ष	कुल क्षेत्र (वर्ग किमी.)	शेर
1990	6,600	284
1995	10,000	304
2001	12,000	327
2005	13,000	359
2010	20,000	411
2015	22,000	523
2020	30,000	674
2025	35,000	891

सोलहवीं शेर गणना–16वीं एशियाई शेर गणना में 35,000 वर्ग किलोमीटर के 11 जिलो के 58 तालुका कवर किए गए । गणना नई और ज्यादा सटीक पद्धति 'प्रत्यक्ष बीट सत्यापन' से की गई। हर शेर के देखे जाने का समय, दिशा, लिंग, उम्र, शारीरिक निशान और जीपीएस लोकेशन रिकॉर्ड की गई। कैमरा ट्रैप्स, हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे, रेडियो कॉलर जैसी हाई-टेक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया।

अमरेली में सर्वाधिक–सबसे ज्यादा 339 शेर अमरेली जिले में पाए गए। गिर सोमनाथ में यह संख्या 222 रही। जूनागढ़ 191 शेरों के साथ तीसरे नंबर पर रहा। भावनगर में 116, पोरबंदर में 16, राजकोट में 6 और द्वारका में एक शेर मिला। गुजरात में एशियाई शेरों की संख्या एक नजर में–

- एशियाई नर शेर – 196
- एशियाई मादा शेर – 330
- एशियाई युवा शेर – 140
- एशियाई शेर (शावक) – 225

कुल 891

Newspaper of 23 May, 2025

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की रिपोर्ट के अनुसार भारत वर्ष 2025 में ही विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा–

आरबीआई ने अपनी मासिक बुलेटिन में कहा कि भारत 2025 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा और इस साल जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार देश में महँगाई में काफी राहत देखी गई है और यह 2025-26 में तय लक्ष्य के आसपास टिक सकती है। रबी फसल अच्छी होने और इस साल सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीद से गांवों में खपत बढ़ेगी और खाने-पीने की चीजों की महँगाई भी नियंत्रण में रह सकती है। आरबीआइ के मासिक बुलेटिन में कहा गया कि उपभोक्ताओं और कारोबारियों का भरोसा भी मजबूत बना हुआ है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को और बढ़ावा मिल रहा है।

Newspaper of 24 May, 2025

अबू धाबी में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा एआइ डेटा सेंटर; पहला 'चैटजीपीटी-राष्ट्र' बनेगा यूएई–

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के वैश्विक भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए ओपनएआइ और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने साझेदारी की है, जिसके तहत ओपनएआइ का एआइ इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म 'स्टारगेट' पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अबू धाबी में शुरू किया जाएगा। यह केन्द्र दुनिया का सबसे बड़ा एआइ डेटा सेंटर होगा। स्टारगेट यूएई को 2000 मील की परिधि में एआइ कंप्यूटिंग सेवा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे विश्व की लगभग आधी आबादी तक तकनीकी पहुँच संभव होगी। यूएई दुनिया का पहला देश होगा, जहाँ चैटजीपीटी को पूरे देश में लागू किया जाएगा। यानी, हर नागरिक को ओपनएआइ की तकनीक तक सीधी व स्थायी पहुँच मिलेगी। इस बहुराष्ट्रीय परियोजना में जी42, ओरेकल, एनवीडिया, सिस्को और सॉफ्टबैंक जैसी वैश्विक टेक्नोलॉजी दिग्गज साझेदार हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) केन्द्र सरकार को रिकॉर्ड ₹ 2.69 लाख करोड़ का लाभांश देगा–

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने वर्ष 2024-25 के लिए केन्द्र सरकार को ₹ 2.69 लाख करोड़ का डिविडेंड (लाभांश) देने का फैसला किया है। यह राशि वर्ष 2023-24 में ₹ 2.1 लाख करोड़ थी। इस राशि से केन्द्र सरकार को अपने वित्तीय घाटे को 4.4% तक कम करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि इस विशाल/रेकॉर्ड डिविडेंड का मुख्य कारण आरबीआई की मजबूत वित्तीय स्थिति है, जो विदेशी मुद्रा भंडार बिक्री, विदेशी मुद्रा में हुए लाभ व प्रतिभूतियों से मिलने वाली ब्याज आय से संभव हुआ है।

चीन ने पाकिस्तान को 5वीं पीढ़ी का फाइटर जेट दिया; राडार से बचने में सक्षम–

हाल ही में चीन ने पाकिस्तान को जे-35ए स्टेल्थ फाइटर जेट सौंप दिया है। पहली तैनाती स्कार्दू एयरबेस पर हुई है। पाक दक्षिण एशिया का पहला देश बन गया है जिसके पास पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं। डील के तहत चीन पाक को कुल 40 जे-35ए देगा। 12 फाइटर जेट दूसरी खेप के तहत अगस्त में मिलेंगे। स्टेल्थ तकनीक से लैस होने के चलते ये राडार से बचने में सक्षम हैं। भारत के पास अभी कोई स्टेल्थ फाइटर जेट नहीं है।

- ये चीन का दूसरा 5वी पीढ़ी का स्टेल्थ लड़ाकू विमान है। पहला जे-20 है।
- 7000 किलो हथियार ले जाने में सक्षम।
- फोल्डिंग विंग्स से लैस ये 6 पीएम-15 ई हवा-से-हवा में मार करने वाली मिसाइलें ले जा सकता है।
- ये अमेरिकी एफ-35 से मिलता-जुलता है। इसकी स्पीड 2500 किमी, एफ-35 की 1900 किमी है। रेंज 1,200 किमी है, जो एफ-35 की 2,220 किमी से कम है।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

Newspaper of 25 May, 2025

■ **भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना–**

24 मई, 2025 को नीति आयोग की बैठक के बाद सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि आइएमएफ के मुताबिक हम चार ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था बन गए हैं। आज भारत जापान से भी बड़ा है। अब भारत से आगे सिर्फ अमेरिका, चीन और जर्मनी हैं। हम अपनी योजना और सोच-विचार पर टिके रहें, तो अलगे ढाई-तीन साल में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।

देश	इकोनॉमी का आकार (ट्रिलियन डॉलर)
अमेरिका	30.34
चीन	19.53
जर्मनी	4.92
भारत	4.39
जापान	4.27

Newspaper of 26 May, 2025

■ **हाल ही में बेंगलुरू के कुश मैनी मोनाको ग्रां प्री में फॉर्मूला 2 स्प्रिंट रेस जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उनके करियर की पहली एफ 2 रेस जीत और पहला पोडियम फिनिश भी है।**

Newspaper of 27 May, 2025

■ **डीआरडीओ प्रमुख कामत का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया–**

26 मई, 2025 को केन्द्र सरकार ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख समीर वी कामत का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाकर मई 2026 तक कर दिया। प्रतिष्ठित विज्ञानी कामत को 25 अगस्त, 2022 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (डीडीआरएंडडी) का सचिव और डीआरडीओ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। पिछले साल 27 मई को इन्हें 1 साल का सेवा विस्तार दिया गया था, जो इसी महीने खत्म होना था। डॉ. कामत भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (आइएनएई) और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आइईआइ) के फेलो हैं।

■ **मलेशिया : आसियान शिखर सम्मेलन शुरू हुआ–**

26 मई, 2025 को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) का 46वाँ शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। सम्मेलन में क्षेत्रीय एकीकरण और व्यापार तथा आर्थिक व्यवधानों के विरुद्ध लचीलापन एजेंडे में शीर्ष पर रहा। मलेशिया 2025 के लिए आसियान का अध्यक्ष है और 'समावेशीपन और स्थिरता' विषय के तहत आसियान शिखर सम्मेलन और संबंधित शिखर सम्मेलनों की मेजबानी कर रहा है। 1967 में स्थापित इस समूह में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं।

■ **26 मई, 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दाहोद (गुजरात) में ₹ 24,000 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए। इस दौरान उन्होंने दाहोद लोकोमेटिव विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन भी किया। इस संयंत्र में 9000 एचपी के इलेक्ट्रिक इंजन डी-9 तैयार किया जाएंगे। ये इंजन रेलवे की माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने में मदद करेंगे।**

■ **आइआरटीएम ने भारत फोरकास्टिंग सिस्टम विकसित किया; यह 6 किमी इलाके में भी मौसम की भविष्यवाणी कर देगा; अमेरिका, ब्रिटेन व यूरोपीय देशों में 9-14 किमी वाली प्रणाली ही है।**

पूर्वानुमान में भी अब 10 की जगह 4 घंटे ही लगेंगे। बारिश, तूफान, तापमान और प्रदूषण का सटीक अनुमान मिलेगा।

मौसम के पूर्वानुमान अब और ज्यादा व सटीक मिलेंगे। पुणे की संस्था इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मैटिओरोलॉजी (आईआईटीएम) ने इसके लिए एक नया न्यूमैरिकल मॉडल 'भारत फोरकास्टिंग सिस्टम' (बीएफएस) विकसित किया है। यह बता देगा कि 6 किमी के दायरे में कैसा मौसम रहने वाला है। 6 किमी रिजोल्यूशन का पूर्वानुमान सिस्टम विकसित करने वाला भारत पहला देश है। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय देश भी अभी तक 9-14 किमी का ही रिजोल्यूशन सिस्टम बना पाए हैं।

अभी भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की पूर्वानुमान क्षमता 12X12 किमी के ग्रिड में भविष्यवाणी करने की थी, जो अब 6X6 किमी के ग्रिड के पूर्वानुमान देने की हो जाएगी। यानी पहले एक भविष्यवाणी 12 किमी के इलाके में चार गांवों के लिए होती थी लेकिन अब 6 किमी के इलाके में हरेक गांव के लिए अलग पूर्वानुमान मिल सकेगा। 26 मई 2025 को आईआईटीएम ने नया सिस्टम आईएमडी को सौंप दिया।

भारत फोरकास्टिंग सिस्टम की विशेषताएँ–

1. किसानों को बारिश, तापमान और तूफान की सटीक जानकारी मिलेगी, जिससे खेती में नुकसान कम होगा।

2. बाढ़, चक्रवात और भारी बारिश की जल्द चेतावनी।
3. बाँधों और नदियों का प्रवाह नियंत्रित करने में मदद।
4. जलभराव, प्रदूषण और तापमान से निपटना आसान।
5. गाँव और छोटे इलाकों में भी सटीक मौसम अनुमान।
6. अत्यधिक वर्षा की भविष्यवाणी में 30% सटीक रहा।
7. वर्षा पूर्वानुमान की सटीकता 64 फीसदी तक बढ़ गई।
8. समुद्री तूफानों की दिशा व तीव्रता का बेहतर आकलन।
9. पूर्वानुमान के लिए डेटा प्रोसेसिंग 10 की जगह 4 घंटे में।
10. दो घंटे पहले तक की छोटी अवधि का सही अनुमान।
11. पहली बार एआई व मशीन लर्निंग का इस्तेमाल हुआ।
12. यह एक ओपन एक्सेस मॉडल होगा यानी दुनियाभर के मौसम विज्ञानी इसके आउटपुट का इस्तेमाल कर सकेंगे।

Newspaper of 28 May, 2025

भारत 5वीं पीढ़ी का स्वदेशी युद्धक विमान बनाएगा; प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिली–

हाल ही में केन्द्र सरकार ने पाँचवीं पीढ़ी के उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी दे दी है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) बनाएगी। इस योजना में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियाँ भी शामिल हो सकेंगी। ये कंपनियाँ भारतीय होनी चाहिए।

रक्षा विभाग के मुताबिक भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने व मजबूत घरेलू एयरोस्पेस औद्योगिक पारिस्थितिकीय तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एएमसीए कार्यक्रम की योजना को मंजूरी दी है। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने योजना को पिछले साल सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। परियोजना की प्रारंभिक विकास लागत करीब 15 हजार करोड़ रुपए आँकी गई। एडीए के वैज्ञानिकों का कहना है कि पाँचवी पीढ़ी का भारतीय युद्धक विमान अमेरिकी एफ-35 या रूसी सुखोई-57 से कम नहीं होगा।

कई खूबियों से लैस होगा एएमसीए–

यह विमान नेटवर्क सेंट्रिक वारफेयर (एनसीडब्ल्यू) प्रणाली से लैस होगा। यह दो इंजन वाला युद्धक विमान होगा। इसका वजन 25 टन होगा और 14 टन पेलोड लेकर उड़ान भरने में सक्षम होगा। इसमें स्टील्थ फीचर होंगे। इसके साथ ही एआइ संचालित इलेक्ट्रॉनिक पायलट और इंटीग्रेटेड व्हीकल हेल्थ मैनेजमेंट जैसी प्रणालियाँ भी होगी जो उड़ान के दौरान पायलट को सजग रखेंगी। लक्ष्य को पहचानने की स्वचालित तकनीक होगी। नेविगेशन के लिए संयुक्त विजन प्रणाली होगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नागरिक अलंकरण पुरस्कार दिए–

27 मई, 2025 को राष्ट्रपति भवन में दूसरे नागरिक अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 68 चयनित लोगों को पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कला के क्षेत्र में नृत्यांगना शोभना चंद्रकुमार को पद्म भूषण पुरस्कार और शास्त्रीय तालवादक गुरुवायुर दोराई को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया।

Newspaper of 29 May, 2025

केन्द्रीय कैबिनेट ने महत्त्वपूर्ण फैसले लिए–

खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) बढ़ाया। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी।

28 मई, 2025 को केन्द्रीय कैबिनेट की बैठक में किसान कल्याण, रेल, हाईवे निर्माण और सस्ते लोन से जुड़े अहम फैसले हुए। बैठक में खरीफ फसलों की एमएसपी बढ़ाने का निर्णय लिया तथा महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई।

मंत्रिमण्डल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संशोधित ब्याज छूट योजना (एमआइएसएस) के अंतर्गत ब्याज छूट (आइएस) को जारी रखने को मंजूरी दी है। इसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से 7% की रियायती ब्याज दर पर 3 लाख रुपए तक का अल्पकालिक ऋण मिलता है। इसमें ऋण देने वाली पात्र संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज छूट प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआइ) के रूप में 3 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र होते हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से 4 प्रतिशत तक कम हो जाती है। इस योजना को जारी रखने से 15,640 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मंत्रिमंडल ने मध्यप्रदेश में रतलाम-नागदा तीसरी व चौथी लाइन और महाराष्ट्र में वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन पर 3,399 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा।

आंध्रप्रदेश के बडवेल-गोपरावम गांव (एनएच-67) से लेकर गुरुविंदापुडी (एनएच-16) तक के हाइवे को मंजूरी दी गई है। इसकी लंबाई 108.134 किमी होगी। इस पर 3653.10 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

खरीफ फसलों की एमएसपी

फसल	एमएसपी 2024-25 (रु./क्विंटल)	एमएसपी 2025-26 (रु./क्विंटल)	एमएसपी में वृद्धि
धान (समान्य)	2300	2369	69
धान (ए ग्रेड)	2320	2389	69
ज्वार (हाइब्रिड)	3371	2699	328
ज्वार (मालदांडी)	3421	3749	328
बाजरा	2625	2775	150
रागी	4290	4886	596
मक्का	2225	2400	175
तुअर/अरहर	7550	7800	450
मूंग	8682	8768	86
उड़द	7400	7800	400
मूंगफली	6783	7263	480
सूरजमुखी	7280	7721	441
सोयाबीन	4892	5328	436
तिल	9267	9846	579
रामतिल	8717	9537	820
कपास (मिडिल स्टेपल)	7121	7710	589
कपास (लॉन्ग)	7521	8110	589

Newspaper of 31 May, 2025

■ **थाइलैंड की ओपल सुचाता चुआंग्सरी मिस वर्ल्ड 2025 बनीं–**

31 मई, 2025 को हैदराबाद के हाइटेक्स प्रदर्शनी केन्द्र में संपन्न फाइनल दौर में 107 अन्य देशों की सुन्दरियों को पछाड़ते हुए थाईलैण्ड की सुचाता चुआंग्सरी वर्ष 2025 की (72वीं) मिस वर्ल्ड चुनी गई हैं। वर्ष 2023 की विश्व सुन्दरी चेक गणराज्य की क्रिस्टीना पिस्जकोवा ने उन्हें इसका ताज पहनाया। 21 साल की ओपल सुचाता ने मिस वर्ल्ड में मल्टीमीडिया अवॉर्ड भी हासिल किया है। मिस वर्ल्ड-रनर अप इथियोपिया की हासेट डेरेज रहीं। वहीं सेकेण्ड रनर-अप पोलैण्ड की माजा क्लाज्दा और थर्ड रनर-अप मार्टिनिक की ओरेली जोआचिम रहीं।

भारत की नंदिनी गुप्ता 108 देशों की कंटेस्टेंट्स से मुकाबला कर टॉप-20 तक पहुँची थीं, लेकिन वह टॉप-8 से बाहर हो गईं। मिस वर्ल्ड 2025 के फिनाले के दौरान अभिनेता सोनू सूद को राणा दग्गुबाती ने मिस वर्ल्ड ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड प्रदान किया। मिस वर्ल्ड के 72 साल के इतिहास में तीसरी बार इसका फिलाने भारत में हुआ। सबसे पहले 1996 में बैंगलुरू में मिस वर्ल्ड का फिनाले हुआ था। इसके बाद बीते साल (2024) मुंबई में मिस वर्ल्ड फिनाले का आयोजन हुआ था।

□□□

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

संजीव®

50 वर्षों से आपका विश्वसनीय

आपकी सफलता में सदैव आपका सहयोगी

मनोहर सिंह कोटड़ा के मार्गदर्शन में तैयार श्रेष्ठ पुस्तकें

(41 जिलों एवं 7 संभागों पर आधारित नवीनतम संस्करण)

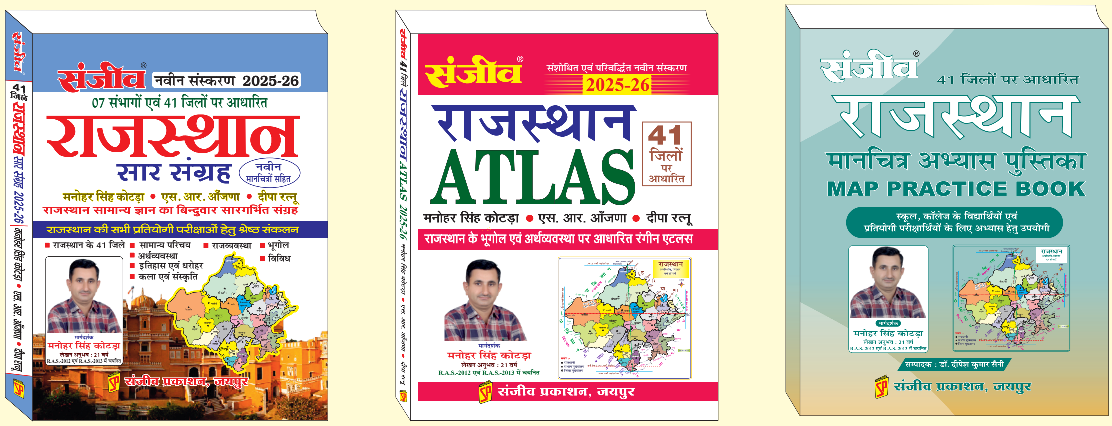

संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित प्रमुख पुस्तकें

संजीव प्रकाशन

Join Our Telegram

संजीव Telegram चैनल एवं Website से परीक्षा उपयोगी पाठ्य सामग्री निःशुल्क प्राप्त करें। साथ ही संजीव वेबसाइट से आप Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।

प्रकाशक-संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com